



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 15, 1983 (पौष 25, 1904)
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 15, 1983 (PAUSA 25, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रशासनिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	23
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	87
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रशासनिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	65
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिस्सा भाग में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिना तथा रिपोर्टें	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संबंधित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संबंधित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संबंधित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबंध और प्रशासनिक कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	927
भाग III—खंड 2—मैट्रिक कार्यालय, ललकता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	27
भाग III—खंड 3—मुख्य भावनों के प्राधिकार के प्रकीर्ण प्रकाश द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	5
भाग III—खंड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	633
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	9
भाग V—संवेदी और द्वितीय दोनों में अन्य और अन्य के आदेशों को दिखाने वाला अनुसूचक	*

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	23	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii).—Authoritative tests in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	67	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..		PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	927
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	65	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	27
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	5
PART II—SECTION 1-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	633
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	9
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

विधायी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर, 1982

संकल्प

सं० फ० 4(1)/81-रा० भा०—विधायी विभाग के संकल्प सं० फ० 4(1)/81-रा० भा० दिनांक 7 दिसम्बर, 1982 के अनुक्रम में भारत सरकार ने गैर सरकारी सदस्य श्री शान्तिलाल सोमैया, आर्गेनो केमिकल्स लिमिटेड, बम्बई को विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय का 24 अप्रैल, 1982 को पुनर्गठित हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में सेवा करने के लिए मनोनीत करने का विनिश्चय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ भेजी जाए :—

प्रधानमंत्री कार्यालय/मंत्रिमंडल सचिवालय/संसदीय कार्य विभाग/लोक सभा सचिवालय/राज्य सभा सचिवालय/योजना आयोग/राष्ट्रपति सचिवालय/महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली और भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग।

यह आदेश भी किया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एन० आर० सुब्रह्मण्यन
संयुक्त सचिव (प्रशा०)

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1983

के नियम

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 जनवरी, 1983

सं० 9/4/82-के० से०-II—गृह मंत्रालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सन् 1983 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों (तथा उन अन्य सेवाओं/पदों के लिए, जो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले विज्ञापन में सम्मिलित किए जाएंगे) में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए ली जाने वाली प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के नियम सर्वसाधारण को सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

(i) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI

(ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा ग्रेड-II

(iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड

(iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड।

(v) भारत के निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद।

(vi) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद।

(vii) महानिरीक्षक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद।

(ix) केन्द्रीय सतर्कता आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद।

उपरोक्त सेवाओं/पदों के लिए अधिमान आयोग द्वारा केवल उन्हीं उम्मीदवारों से आमंत्रित किए जाएंगे जो टंकण परीक्षा में प्रविष्ट किए जाने के पात्र होंगे।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा समाचार पत्रों में जारी किए गए विज्ञापन में निर्दिष्ट की जाएगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण किया जाएगा।

3. (I) भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने संघ की सशस्त्र सेवाओं में, जिनके अंतर्गत भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं भी शामिल हैं, किन्तु जिनके अन्तर्गत आसाम राइफल्स, सेना सुरक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंडोनिजरी बल, लोक सहायक सेना और प्रादेशिक सेना नहीं आते, शपथ ग्रहण करने के पश्चात् कम से कम छह मास की निरन्तर अवधि तक किसी रैंक में (चाहे योद्धा के रूप में या गैर-योद्धा के रूप में की है, और

(क) जिसे उसके अपने अनुरोध पर या कदाचार अथवा अक्षता के कारण पवच्युति या बर्खास्तगी के कारण के अलावा अन्य किसी रूप में निर्मुक्त कर दिया गया है, अथवा ऐसी निर्मुक्ति तक के लिए रिजर्व को स्थानांतरित कर दिया गया है, या

(ख) जिसे यथापूर्वोक्त निर्मुक्त या रिजर्व को स्थानांतरित किए जाने के लिए हकदार बनने के लिए अपेक्षित सेवा की अवधि पूरी करने के लिए अधिक से अधिक छह मास सेवा करनी है; या

(ग) जिसे संघ की सशस्त्र सेनाओं में पाँच वर्ष के सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् उसने अपने ही अनुरोध पर निर्मुक्त कर दिया गया है।

(II) संविधान अनुसूचित जाति आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति) सूचियां (संशोधन) आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित) संविधान (जम्मू तथा कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1965, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान गोआ, दमन और दीव (अनुसूचित जन जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

(III) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से अभिप्राय निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी से सम्बद्ध व्यक्ति से है :—

(क) बहरे : बहरे व्यक्ति ऐसे व्यक्ति हैं जिनको जीवन के सामान्य प्रयोजन के लिए सुनने का बोध न हो, उच्च स्तर के साफ बोलने पर वे न तो बिल्कुल सुन सकते हों और न ध्वनि को समझ सकते हों, इस वर्ग में ऐसे मामले भी शामिल हैं जो ठीक कान (गंभीर रूप से असमर्थ) 90 डेसीमल से अधिक नहीं सुन सकते हों अथवा दोनों कानों से पूर्ण रूप से नहीं सुन सकते हों।

(ख) शारीरिक रूप से विकलांग : शारीरिक रूप से विकलांग ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें शारीरिक दोष हो अथवा अंग-विकृति हो जिससे कार्य करने में हड़डी, पेशियों तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा पैदा होती हो।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट 1 में विहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या

(ङ) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका व जंजीबार (जाम्बिया, मलावी, जायरे इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

(1) परन्तु ऊपर की श्रेणी (ख), (ग), (घ) और (ङ) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

(2) परन्तु यह भी शर्त है कि ऊपर की श्रेणी (ख), (ग) तथा (घ) से संबंधित उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, परन्तु उसे नियुक्ति पत्र नहीं दिया जा सकता है जब उसे वह मंत्रालय/विभाग आवश्यक प्रमाण-पत्र दे दे जो उस पद से सम्बद्ध हो जहां उम्मीदवार की नियुक्ति की संभावना हो।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी है कि पहली अगस्त, 1983 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरी 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1958 से पहले और पहली अगस्त, 1965 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना की कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित अथवा अनारक्षित सभी रिक्तियों के लिए प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

टिप्पणी :—उपरोक्त नियम 5(ख) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवाहन पर सेवा (काल ऑफ सर्विस) की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

(ग) इन सभी मामलों में ऊपरिलिखित ऊपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी :—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 को भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया, संयुक्त गण-राज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही और शांति-काल दोनों के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कामिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कामिकों के लिए, जो अनु-सूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कामिकों के लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (xii) 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कामिकों के लिए, जो अनु-सूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः/भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (xiv) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है तो अधिक से अधिक 10 वर्ष (अनुसूचित जातियों व जन जातियों के उन उम्मीदवारों के लिए, जो शारी-रिक रूप से विकलांग भी है, शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को मिलने वाली 10 वर्ष की आयु-छूट उन्हें खण्ड (1) के अन्तर्गत मिलने वाली आयु-छूट के अतिरिक्त होगी। और
- (xv) ऐसी विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और न्यायिक तौर पर अपने पतियों से अलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पुनर्विवाह नहीं किया है, 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की महिलाओं के लिए 40 वर्ष तक)।
- (घ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष तक की आयु की छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों में तथा निर्वाचन आयोग के कार्यालयों में लिपिकों/सहायकों/संकलकों/भंडार रक्षकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1-8-1983 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा और

(2) भारतीय विदेश सेवा (ख) (3) रेलवे सचिवालय सेवा और (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं, और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा में बैठ रहे हैं।

(ङ) उक्त उपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जाएगी जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकण के पदों पर नियुक्त हैं और 1-8-1983 को जिन्होंने हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंकणों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(च) ऊपरी आयु सीमा में सैनिक-लिपिकों को 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जो सशस्त्र सेना में अपनी कलर सेवा के अंतिम वर्ष में हैं अर्थात् उनकी जो सेना से 2 अगस्त, 1983 से पहली अगस्त, 1984 की अवधि में निवृत्त होने वाले हैं, ऐसे उम्मीदवारों को शुल्क में कोई छूट नहीं दी जाएगी।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को केवल सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर्सेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिए हो, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं है, प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(छ) उन टेलीफोन आपरेटरों के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं होगी, जो दिनांक पहली अगस्त, 1983 को विदेश मंत्रालय में नियुक्त होंगे और जिनकी नियुक्ति यथावत् जारी रहेगी।

(ज) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जन गणना कार्य निदेशालय के छंटनी शुदा कर्मचारियों के लिए भी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के दिनांक 5-7-82 के का० शा० सं० 14024/6/81-स्था० (ख) के अनुसार ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1.— डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छंटाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5(घ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में की गई मानी जाएगी।

टिप्पणी 2.— यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(घ) नियम 5 (ङ) और नियम 5(क) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन-पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, वह नौकरी से त्यागपत्र दे दे

या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है, लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा।

टिप्पणी 3.— किसी लिपिक को जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद (एक्स-केडर-पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अन्य सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने दिया जाएगा।

टिप्पणी 4.— विदेश मंत्रालय में भाग ले रहे कार्यालयों/विभागों में काम कर रहा कोई स्थाई अथवा अस्थायी टेलीफोन आपरेटर इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा परन्तु किसी टेलीफोन आपरेटर को परीक्षा पास करने के लिए दो से अधिक अवसर प्रदान नहीं किए जाएंगे। जो टेलीफोन आपरेटर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से अन्य असंवर्ग पदों पर प्रतिनियुक्त पर हों, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे यदि वे अन्यथा पात्र हों। यह उस व्यक्ति पर भी लागू होगा जो किसी अन्य असंवर्ग पद या स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है, यदि उस समय टेलीफोन आपरेटर के पद में उसका पुनर्ग्रहणाधिकार है।

टिप्पणी 5.— जहां तक इस नियम की उक्त श्रेणी (छ) के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों का संबंध है, यह परीक्षा अर्हक होगी, प्रतियोगितात्मक नहीं। उनको टंकण परीक्षा में नहीं बैठना होगा। जो इस परीक्षा का एक भाग है। उन्होंने पहले से टंकण परीक्षा पास नहीं कर रखी होगी तो उन्हें इस आयोग द्वारा ली गई कोई आवर्ती टंकण परीक्षा निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में उसकी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर पास करनी होगी। यदि वे यह परीक्षा पास नहीं करेंगे तो उन्हें कोई वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी जाएगी। जब तक कि वे कथित परीक्षा पास नहीं कर लेंगे। आयोग द्वारा सिफारिश किया गया टेलीफोन आपरेटर केवल भारतीय विदेश सेवा ख-ग्रेड VI में लिया जाएगा।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

6. भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो उस राज्य सरकार/

भारत सरकार द्वारा मेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समकक्ष माना जाता हो वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा अवश्य पास की होनी चाहिए।

टिप्पणी 1.— यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिस के पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा हो, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2— कुछ विशिष्ट मामलों में, जहां कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त हो जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

7. (1) जिस व्यक्ति ने —

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह अनुबन्ध किया है, जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति को विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकार है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और जब तक उसको इस नियम से छूट न दे दें।

2. जिस व्यक्ति ने विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया है, वह भारतीय विदेश सेवा ख ग्रेड—VI की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

8. जो उम्मीदवार पहले से स्थायी/अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में हो, वह परीक्षा में बैठने के लिए सीधे आवेदन कर सकता है परन्तु उसे टंकण परीक्षा में बैठने की अनुमति से पहले अपने कार्यालय से एक अनापत्ति प्रमाण-पत्र भेजना होगा।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हों। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की संभावना होगी।

टिप्पणी—अशक्त भूतपूर्व रक्षा व्यक्तियों/कार्मिकों के मामले में रक्षा सेवा के सैन्य विघटन डाक्टरी बोर्ड (डोया-बीलाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

12. सशस्त्र सेना से निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें आयोग के विज्ञापन के अंतर्गत शुल्क की छूट दी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों से निर्धारित शुल्क देना होगा।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का यत्न किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए धोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो जबकि उसने —

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा।

(v) गलत या झूठे व्यक्तिव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा

(viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा

(ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यभिचित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोगी (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे —

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा कथन लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो।

15. परीक्षा के बाद उन उम्मीदवारों को जो टंकण परीक्षा में पास होंगे अथवा जिनको छूट मिल जाएगी लिखित परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर बने श्रेष्ठता-क्रम में रखा जाएगा तथा उसी क्रम में जितने उम्मीदवार आयोग द्वारा परीक्षाओं में पास हुए पाए जाएंगे उनकी अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रिश्तायत देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

आगे यह भी शर्त है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग सामान्य स्तर में रिश्तायत देकर भी भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों में से अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर ध्यान दिए बिना ही उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

16. परीक्षा-परिणाम के आधार पर नियुक्तियां करते समय किसी उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र देते समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताई गई प्रापमिकताओं का समुचित ध्यान रखा जाएगा।

17. हर एक उम्मीदवार की परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षा फल के संबंध में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

18. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

एच० जी० मंडल, अवर सचिव

परिशिष्ट—1

1. परीक्षा दो भागों में ली जाएगी अर्थात् भाग—I लिखित परीक्षा और भाग—II टंकण परीक्षा

भाग I—लिखित परीक्षा—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र सं०	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1.	अंग्रेजी भाषा	150	1½ घंटा
2.	सामान्य अध्ययन	150	1½ घंटा

भाग II—टंकण परीक्षा—टंकण परीक्षा में लगातार टाइप करने की सामग्री (रनिंग मैटर) का एक 10 मिनट का पत्र होगा।

2. अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र आब-जैकिटव टाइप के होंगे।

3. टंकण परीक्षा अर्थात् परीक्षा की योजना के भाग II में बैठने के लिए केवल वही उम्मीदवार पात्र होंगे जो लिखित परीक्षा में आयोग के विवेकानुसार निश्चित किया गया एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे।

4. परीक्षा के नियमों के नियम 15 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिए सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे।

(यह विदेश मंत्रालय में नियुक्त टेलीफोन आपरेटरों पर लागू नहीं होता)।

टिप्पणी 1— जिन उम्मीदवारों ने संघ लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षणशाला या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान या अधीनस्थ सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी 25 शब्द प्रति मिनट की गति से पढ़ने ही पास कर ली हो उन्हें इस परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास की गई टंकण परीक्षा में अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा की तारीख बतानी चाहिए।

टिप्पणी 2— जो उम्मीदवार किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य होने का दावा करता है, उसे गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग में केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से इस परीक्षा के देने और पास करने की शर्त से छूट दी जा सकती है बशर्ते कि ऐसे

उम्मीदवार को जब टंकण परीक्षा देने के लिए कहा जाए तो वह सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन से निर्धारित प्रपत्र में एक प्रमाण पत्र आयोग को प्रस्तुत करे जिसमें उसकी किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया गया हो।

5. उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपना टाईप मशीन लानी होगी। स्टेन्डर्ड साईज के रोलर वाली मशीन टाइप के लिए काम दे सकेगी।

6. उम्मीदवारों को छूट होगा कि टंकण परीक्षा हिन्दी (देवनागरी लिपि) में दें अथवा अंग्रेजी में।

7. टंकण परीक्षा के उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इरादा आवेदन पत्र में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वे टंकण परीक्षा अंग्रेजी में देंगे। एक बार चुना हुआ विकल्प अन्तिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध साधारणतः स्वीकार नहीं होगा। उम्मीदवार द्वारा चुना गई भाषा के सिवाय किसी अन्य भाषा में टंकण परीक्षा देने पर कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिया गया है।

9. उम्मीदवार को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें लिखने के लिए अन्य व्यक्ति को सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

10. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

अनुसूची

भाग I—लिखित परीक्षा—में सम्मिलित विषयों का पाठ्यक्रम

1. अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान:

(क) अंग्रेजी भाषा में प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे यह पता लगाया जा सके कि उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण, शब्द भंडार वण-विन्यास समानार्थक, विपरीतार्थक शब्दों का कितना ज्ञान है तथा अंग्रेजी भाषा के सही और गलत प्रयोग को समझने की शक्ति तथा उनमें विवेक करने की योग्यता कितनी है।

(ख) सामान्य ज्ञान:

भारत का संविधान, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति, भारत का सामान्य एवं आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है। उम्मीदवार के उत्तर ऐसे होने

चाहिए जिनसे यह पता चले कि उन्होंने प्रश्नों को बुद्धिमत्तापूर्वक समझ लिया है तथा किसी पाठ्य पुस्तक का विस्तृत अध्ययन नहीं किया है।

परिशिष्ट-II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

(क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो ग्रेड हैं

1. उच्च श्रेणी ग्रेड रु० 330-10-380 द० रु० 12-500 द० रु० 15-560।

2. अवर श्रेणी ग्रेड रु० 260-6-290-द० रु० 6-326-8-द० रु० 8-390-10-400।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षा-धीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान वे सरकार द्वारा यथा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करगें। और विभागीय परीक्षाएं पास करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षाएं पास न कर सकने पर परीक्षा-धीन व्यक्ति नौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परीक्षा-धीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है या यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो, उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित समझ, बढ़ा सकती है।

4. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यकर्ता कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली भी हो सकती है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों।

5. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे। स्थायी या नियमित रूप से नियुक्त किए गए अस्थाई अवर श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस संबंध में यथानिर्दिष्ट निर्णायक तारीख को 5 वर्ष की अनुमोदित या निरन्तर सेवा अवधि पूरी कर चुकेंगे, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

6. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख को कम से कम दो वर्ष अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा करने के बाद श्रेणी-ध' के आणुलिपिकों की परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा निर्णायक तारीख को 50 वर्ष होनी चाहिए।

7. जिन लोगों की नियुक्ति केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उनकी इच्छा के अनुसार की जाएगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के कांडर में अथवा रेलवे बोर्ड के सचिवालय लिपिक सेवा

योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति की मांग नहीं कर सकेंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय में नियुक्ति अवर श्रेणी लिपिकों को सेवा की शर्तें नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदोन्नति, आदि रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1970 से जो समय-समय पर बने हैं, संचालित होती है।

2. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की निम्नलिखित दो श्रेणियां हैं :—

उच्च श्रेणी लिपिक—र० 330-10-380-द० र०-12-500-द० र०-15-560।

अवर श्रेणी लिपिक—र० 260-6-290-द० र०-6-326-8-366-द० र०-8-390-10-400।

3. सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी लिपिकों के ग्रेड में की जाती है। अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल के लिए परीक्षाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें वैसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और वैसे विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखलाने पर अथवा परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे। ऐसे स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिक, जो इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित निर्णायक तारीख को रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके हों, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की उच्च भर्ती ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

5. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा यथा निर्धारित निर्णायक तारीख को कम से कम दो वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुकने के बाद, रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "घ" के लिए ली जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए ऊपरी आयु सीमा निर्णायक तारीख को 45 वर्ष है।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक सीमित है और उसके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भांति अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं हो सकते हैं।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य जो इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए हैं :—

(1) पेंशन के लाभों के हकदार होंगे, और

(2) जब वे नौकरी में नियुक्त हुए हों, उस तारीख को नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिए लागू और अंशदायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के नियमों के अधीन उस निधि में अंशदान करेंगे।

8. रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों की भांति ही बराबर मात्रा में प्रिविलेज पासों और प्रिविलेज टिकट आर्डरों के हकदार होंगे।

8. जहां तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल कर्मचारियों को, उसी प्रकार की सुविधाएं हैं जैसी कि अन्य रेल कर्मचारियों को, किन्तु चिकित्सा सुविधाएं हैं उन्हें दूसरे केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनकी मुख्यालय नई दिल्ली है, के समान हैं।

अनुबंध—

ग—भारतीय विदेश सेवा (ख) —ग्रेड VI

वेतनमान : र० 260-6-290-द० र०-6-326-द० र०-8-390-10-400

भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड VI में नियुक्त किए गए अधिकारी, उक्त ग्रेड में आठ वर्षों की सेवा पूरी करने पर र० 330-10-380-द० र०-12-500-द० र०-15-560 के वेतनमान में ग्रेड V में पदोन्नति के लिए पात्र हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड V अधिकारी उक्त ग्रेड में पांच वर्षों की सेवा पूरी करने पर र० 425-15-500-द० र०-15-560-20-700-द० र०-25-800 के वेतनमान में अपनी पारी पर उक्त सेवा के ग्रेड IV में नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

3. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड VI के अधिकारी, र० 330-10-द० र०-12-500-द० र०-15-560 के वेतनमान में उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के आधार पर सेवा के उप-संवर्ग में आशुलिपिकों के ग्रेड III में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

4. ग्रेड VI के ऐसे अधिकारी, जो स्नातक हैं, र० 425-15-500-द० र०-15-560-20-700 द० र०-25-800 के वेतनमान में, उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम से भा० वि० से० (ख) के उप-संवर्ग में सहायक के ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए उम्मीदवार या तो मुख्यालय पर भारत के किसी भी स्थान में अथवा विदेश में, जहां नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा उन्हें तैनात किया जाता है, किसी पद पर सेवा करनी होगी।

6. विदेश सेवा के दौरान, भा० वि० से० (ख) के अधिकारियों को, उनके मूल वेतन के अतिरिक्त, उन दरों पर विदेश भत्ता मंजूर किया जाएगा जो संबंधित मुल्कों के निर्वाह व्यय आदि के आधार पर समय-समय पर मंजूर किया जा सकता है इसके अतिरिक्त, भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम 1961 के अनुसार, जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों के लिए लागू है, विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार्य होंगी।—

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित मानदण्ड के आधार पर निःशुल्क आवास;
- (ii) सहयोजित चिकित्सा परिचर्या योजना के अधीन चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं।
- (iii) भारत में किसी निकट संबंधी, जिसका निर्धारण सरकार करेगी, की मृत्यु अथवा गंभीर बीमारी जैसी संकटकालीन परिस्थितियों के लिए अधिकारी को सेवा के दौरान इवूटी स्थान से भारत में आने और वापस जाने संबंधी अधिकतम दो बार वापसी हवाई यात्रा व्यय।
- (iv) कतिपय शर्तों पर भारत में अध्ययन कर रहे 6 से 22 वर्ष की आयु वाले बच्चों को छुट्टी के दौरान अपने माता-पिता के पास जाने के लिए वार्षिक वापसी हवाई किराया।
- (v) कतिपय शर्तों पर, अधिकारी के विदेशों में तैनाती स्थान पर अध्ययन कर रहे 5 से 18 वर्ष की आयु के बीच वाले अधिकतम दो बच्चों के शिक्षा संबंधी व्यय को सरकार पूरा करती है।
- (vi) उपस्कर भत्ता—रुपए 1,750/- विदेश में प्रति तैनाती।
- (vii) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारी और उसके परिवार के लिए स्वदेश छुट्टी यात्रा व्यय।

सेवा में नियुक्ति, स्थायीकरण और वरिष्ठता संबंधी शर्तें भारतीय विदेश सेवा (ख) भर्ती (संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1964 के संगत उपबंधों और किन्हीं अन्य नियमों अथवा आदेशों जिन्हें सरकार बाद में बनाए, द्वारा भी शासित होंगे।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ग्रेड है—

उच्च श्रेणी ग्रेड—रु. 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

अवर श्रेणी ग्रेड :—रु० 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400।

उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पद अवर श्रेणी लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। इस अवधि में असंतोषजनक सेवा रिकार्ड के परिणामस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति की सेवा से हटाया जा सकता है। परिवीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथाविहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है।

3. अवर श्रेणी लिपिक समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टिकरण तथा पदोन्नति के पात्र होंगे।

4. सशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किए गए अवर श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किए जाएंगे। किन्तु लोक हित में भारत में कहीं भी उनकी बदली की जा सकती है।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

(ङ) संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का वेतनमान रु० 260-6-290-द० रो०-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाएगा।

(च) भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का वेतनमान रु० 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-400 है।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवार दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन होंगे।

(छ) केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्वाचन आयोग

1. आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद का वेतनमान रु० 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है।

2. केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पद के० स० लि० से० में शामिल नहीं हैं।

3. नियुक्त किए गए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन होंगे।

4. केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 5 वर्ष तथा निर्वाचन आयोग में 8 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् वे उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

नियम

सं० 11013/1/82. आई०ई०एस०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड 4 की रिक्तियों को भरने के लिए 1983 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम प्राम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

(i) भारतीय अर्थ सेवा, और

(ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा,

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी : अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-I में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे

4. उम्मीदवार :—

(क) भारत का नागरिक, या

(ख) नेपाल की प्रजा या

(ग) भटान की प्रजा,

अवश्य हो या :

(घ) ऐसा लिम्बूती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया था, या

(ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जॉर्जिया मालावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्रता (एलिजबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पत्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल

तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पत्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी 1983 को 21 वर्ष पूरी हुई हो किन्तु 28 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1955 से पहले और 1 जनवरी 1962 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित, जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी 1964, और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(iv) यदि उम्मीदवार श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(vi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(vii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात काल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

- (ix) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जुन, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कामियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (xi) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कामियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (xii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाबिया, मलावी-जेरे, और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (xiii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जाबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (xiv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1983 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कवाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हट्टे शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1983 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक ।
- (xv) जिन भूतपूर्व सैनिक और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1983 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कवाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हट्टे शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1983 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ।
- (xvi) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ।
- (xvii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित

व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद् के अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकीय या गणित या अर्थशास्त्र विषय सहित डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए ।

टिप्पणी I यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिससे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है । यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितम्बर 1983 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है ।

टिप्पणी II विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसकी परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे,

टिप्पणी III यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त हो, किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है ।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी ।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो सरकारी उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिवर्तन (अंटरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है ।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजन से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने

से सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे दस्तावेज दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अमर आशय की हों, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (xi) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है; अथवा
- (xii) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवश्रेणित करने का प्रयास किया हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अधिभोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, में बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(ii) केंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंकों अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुशंसा की जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है वे नियुक्तियां उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्य क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा, आयोग परीक्षा फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देते समय व्यक्त किए गए बरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाए गए बरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे सम्प्रेषित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक

न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता है तो नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी:—कहीं निराशा न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में इन नियमों के परिशिष्ट III में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को इन सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में सर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

पी० जी० सेले, उप सचिव

परिशिष्ट I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग I—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग II—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा इस [परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए जिसके] पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्नपत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है:—

क्रम सं०	विषय	कोड सं०	अधिकतम अंक	दिया गया समय
1	2	3	4	5
क. भारतीय अर्थ सेवा				
1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सामान्य अर्थशास्त्र-I		200	
	भाग-I	03	भाग-I 1 घंटा	} 3 घंटे
	भाग-II	04	भाग-II 2 घंटे	
4.	सामान्य अर्थशास्त्र-II		200	
	भाग-I	05	भाग-I 1 घंटा	} 3 घंटे
	भाग-II	06	भाग-II 2 घंटे	
5.	भारतीय अर्थशास्त्र		200	
	भाग-I	07	भाग-I 1 घंटा	} 3 घंटे
	भाग-II	08	भाग-II 2 घंटे	

विशेष ध्यान:—उपर्युक्त क्रम सं० 3 से 5 तक के विषयों के प्रश्न-पत्रों के मामले में यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर परीक्षा भवन में नहीं पहुंचता है और प्रश्न-पत्र के भाग I की परीक्षा में प्रवेश नहीं ले पाता है तो वह उक्त प्रश्न-पत्र के भाग II में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

ख भारतीय सांख्यिकी सेवा

1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सांख्यिकी I	09	200	3 घंटे
4.	सांख्यिकी II	10	200	3 घंटे
5.	सांख्यिकी III	11	200	3 घंटे

नोट I—सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट II—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 6 के विषयों से संबंधित प्रश्न-पत्र के भाग I में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग II में संक्षिप्त उत्तर और निबंध वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट III—भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 से 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 संबंधित प्रश्न-पत्र में निबंध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट IV—अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न-पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं, नोटिस के अनुबंध II पर उम्मीदवारों की सूचनाएं विवरणिका देखिए।

नोट V—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुछ अंकों में से कुछ काट लिए जाएंगे।

7. केवल सही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को देय दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहां, आवश्यक हो, शीटों और मापों की केवल मिट्टिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को परंपरागत (निबंधात्मक) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी में चलने वाले पॉकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने का आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

अनुसूची भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर

विधी परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धांत की तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी (कोड सं I)

प्रश्न इस प्रकार पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों को अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन (कोड सं 02)

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो दैनिक निरीक्षण और अनुभव से संबंधित हैं और जिनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पढ़ा-लिखा आवामी समझ सकता है। इस प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सकें।

सामान्य अर्थशास्त्र—I (भाग I के लिए कोड सं 03)

और भाग II के लिए 04)

उपभोक्ता की मांग का सिद्धांत : संस्था बन्ध, विश्लेषण, प्रकट अतिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धांत : उत्पादन के तत्त्व, उत्पादन क्रम, प्रतिकूल के नियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धांत : विपणन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धांत : उत्पादन के तत्वों का मूल्यन, भाड़ा, मजदूरी, व्याज और लाभ के सिद्धांत, विशाल वितरण सिद्धांत, संकलन समस्या आय वितरण में असमानताएं।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र : प्राचीन और नवीन कल्याणमूलक अर्थशास्त्र, क्षतिपूर्ति नियम, नीतिमूलक धारियां।

राष्ट्रीय आय की अवधारणा : सामाजिक लेखा, नियोजन का सिद्धांत निपिज और मुद्रास्फीति, शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के बारे में कीन्स का सिद्धांत और कीन्स के बाद की गतिविधियां।

सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग I के लिए कोड सं 05)

और भाग II के लिए 06)

आर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के सिद्धांत। विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं। जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन : अवधारणा और पद्धतियां : आर्थिक संगठन की पूंजीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन मिश्रित अर्थ व्यवस्था में आयोजन, परिव्ययवात्मक आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविधियों का चयन।

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धांत।

भुगतान संतुलन : भुगतान संतुलन में अग्रमानताएं समझन की प्रक्रिया विदेश व्यापार, विनियम की शर्तें, आयात और निर्यात नियंत्रक।

आई० एम० एफ० और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रण मुद्रा: जी० ए० टी० डी०, आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता, आई० बी० आर० डी० और उसके अनुबन्ध।

मुद्रा: उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केन्द्रीय और वाणिज्यिक बैंकों के कार्य।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य: कराधान और व्यय के सिद्धांत, सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभाव, और घटन-घाटे की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक ऋण का सिद्धांत।

अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय औसत और विचलन के माप मूल्यों और परिमाण के सूचकांक उनकी सीमाएं।

भारतीय अर्थशास्त्र (भाग I के लिए कोड सं 07)

और भाग II के लिए 08)

भारतीय अर्थ व्यवस्था के बुनियादी लक्षण—विकास तंत्र—कृषि और उद्योग की भूमिका—विदेश व्यापार की भूमिका—संतुलित विकास की अवधारणा।

आयोजन : उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंचवर्षीय योजनाएं—साधन संपादन की समस्या।

कृषि : नया कृषि तंत्र—भूसंबंध और भू सुधार—देशीय साख—सिंचाई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फलस आयोजन—सामुदायिक विकास—उपजीविका और ग्रामोद्योग।

सहकारिता: ग्रामीण विकास में इसका स्थान—भारत में सहकार आंदोलन का विकास।

उद्योग : औद्योगिक विकास का व्यूह—स्थल निर्देश की समस्या—बहुआकर और लघु उद्योगों की समस्याएं—औद्योगिक नीति—औद्योगिक सम्पदाएं—औद्योगिक वित्त के संसाधन—विदेशी पूंजी की भूमिका—सार्वजनिक उद्यम: संगठन, प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति।

श्रम : रोजगारी, बेरोजगारी और कम रोजगारी—औद्योगिक संबंध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति।

विदेशी व्यापार : भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भुगतान संतुलन।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विपणन का संगठन—वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति।

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि—कराधान नीति—संघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्यों के बीच वित्तीय संबंध।

सांख्यिकी—1 (कोड सं 09)

नोट : केवल वस्तुपरक (बहुविकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता) माप सिद्धांत के तत्त्व—प्रसिद्ध परिभाषाएं और स्वयं सिद्ध अभिगम—प्रतिबंध अवकाश संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं में से घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता—वेयर्स का प्रेमिय—असंयोगिता विचारण—विरल और अविरल—वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बर्नोली, समरूप, द्विपदीय, पाइलन, ज्यामितीय, आयत, छातीय सामान्य, काची, पराज्याह मित्तीय, बहुपदीय, लाप्लेस, ऋणद्विपदीय, बीटा, गामा, सघुसामान्य तथा संकलित पाइलन वितरण—अभिसरण, वितरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और माध्य वर्ग में—आयुर्भूत और संचायक-गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंध अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और धातुर्ण तथा प्रायिकता जनक फलन—विलोम विलक्षणता और सातन्य सिद्धांत—टेकेवाइचेक और कोलमोरोरोव अवमानताएं—बहुत संख्या नियम और स्वतंत्र विचरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धांत।

सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथ्यों का संग्रह संकलन और प्रस्तुति वर्ण-चाट्ट, डायग्राम और हिस्टोग्राम—आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विक्षेपण और विषमता का माप द्विचर और बहुचर तथ्य—साहचर्य और आसंग—वर्ग समझन और सांख्यिक बहुपक्ष—द्विचर वितरण—द्विचर सामान्य वितरण—समापन, रेखीय बहुपदीय—सहसंबंध गुणांक का वितरण—आंशिक और बहुस सहसंबंध अन्तर्गत सहसंबंध—सहसंबंध अनुपात।

मानक दृष्टियाँ और बहुत प्रतिवर्ष—परीक्षण प्रतिवर्ष वितरण—X, S, L, σ —वर्ग और—एक—एक पर आधारित प्रमुखता परीक्षण—तीर परामित्तीय परीक्षण—माइन, मीडियम, रन, विलकाभन, मनविटनी, बाल्ड बुल्कोविट्ज आदि—बरीयता श्रम सांख्यिकी—अस्पष्टतम, अधिकतम, रेंज और मीडियम।

आंकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लांगरेंज, स्टुटन-ग्रेगरी स्टुटन (विभाजित अनर), गास और स्टलिंग पर प्रचलित अन्वेषण सूत्र (शेष संभावना सहित),—यूलर मस्लारिन का—संकलन सूत्र—विलोम अन्वेषण—आंकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रथम गुणांक का विभेद समीकरण—स्थिर गुणकों के साथ एक घातीय विभेद समीकरण—

सांख्यिकी—II (कोड सं० 10)

नोट :—केवल वस्तुपरक (बहु विकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे। एकाघातीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)।

एक घातीय आकलन का सिद्धांत—गाम मार्फाई प्रतिष्ठापन—कनिष्ठ वर्ग आकलन—जी—विलोम का प्रयोग—एक तरफा और दो तरफा वर्गीकृत तथ्य का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान—समाश्रयण गुणकों के लिए परीक्षण—

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अष्टे आकलन के लक्षण—अत्यधिक संभावना, कनिष्ठ की वर्ग आपूर्ण और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियाँ—अत्यधिक संभावना आकलन—फ्रेम राख असमानता—घट्टाचार्य परिसीमाएँ—पर्याप्त आकलन—गुणन खंडन प्रमेय—संपूर्ण आकलन—राख—खैकाबेल प्रमेय—विश्वास अंतकाल आकलन—इष्टतम विश्वास परिसीमाएँ।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की दृष्टियाँ—क्रांतिक क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के क्रांतिक क्षेत्र और सरूप क्षेत्र—घातु फलन—अत्यंत प्रभावशाली और समान रूप से अत्यंत प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, परिसन आधारभूत—अनभिन्न परीक्षण—स्थायीपु लोक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—बाल्ड का SPRT—OC और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तत्व और क्षेत्र सिद्धांत।

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—साध्य प्रसारक का आकलन और सहचारिता व्यूह—होटलिंग का T_2 स्थितिक—महलनाबिस का D_2 स्थितिक—बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिवर्षों में आंशिक और बहुल सहसंबंध गुणांक—विशेष का वितरण, उसका प्रतिरूपपारमक और अन्य स्वभाव—विल्क का निष्कर्ष—विवेचनात्मक फलन—प्रमुखघटक—नियमानुपालन विचार और सहसंबंध—

सांख्यिकी—III (कोड सं० 11)

नोट :—केवल निबंध शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिन में सुवीर्ष और जटिल निरूपण आवश्यक न हों।

भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

प्रतिदर्श विधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनामा प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रतिस्थापन के साथ या उनके बिना मरल या द्वैचिच्छक प्रतिचयन और प्रतिदर्शों घाटन—सागत और विचरण फलन—आकलन की अनुपातिक और समाश्रयी पद्धतियाँ—आकार के समानुपात में प्रायिकता सहित प्रतिचयन—संकुल, दुहरा, बहुरूपी, बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन—अंत, प्रघेयी उप प्रतिचयन—प्रतिचयनेतर दृष्टियाँ।

अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय श्रेणी के घटक—उनके निश्चरण की विधियाँ—विचरण विभेद पद्धति—यूल, म्पस्की, ब्रभाय—सहसंबंध चित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयंसमाश्रय प्रतियोग—समाश्रय चित्र का विश्लेषण—मूल्यों और परिणा 3-411 GI/82

के सूचकांक और उनके सापेक्ष गुण—थोक और खुदरा मूल्यों के सूचकांक की रचना—आय वितरण—वैरिटों और हंगेल वक्र—एकाग्रता वक्र—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियाँ—खंडांतर प्रवाह—अन्तर्गोचरिक तालिका।

भाग (ख)

(उम्मीदवार निम्नांकित विषयों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं)।

(i) सांख्यिकीय गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विचरों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र—गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—एकल, द्वि, बहुल और श्रृंखलामूलक प्रतिचयन योजनाएँ—OC और ASN—फलन—AOQL और ATI की धारणा—विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—डाइज रोमिक और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेखागत कार्यपतन के प्राथमिक तत्व—सिप्लेक्स प्रक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएँ—द्वंद्वरूपता का नियम—एकल और बहुल आवधिक सूची नियंत्रण के नमूने—ABL विश्लेषण—प्रतीक्षा रेखा प्रतिवर्ष के लक्षण— M/M_1 , $M/M/C$ नमूने—आम तकली की समस्याएँ—नष्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनसांख्यिकी और जन्म-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन-तालिका, उसका निर्माण और लक्षण—मेकहम और गामपट्स वक्र—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएँ—राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएँ—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियाँ—कुल प्रजनन गतियाँ—कुल और निवल उत्पादन गतियाँ—विभिन्न मरण गतियाँ—मानकीकृत मरण गति—आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रजनन—निवल प्रजनन अंतर्राष्ट्रीय और जनगणनोत्तर आकलन—वृद्धि, घाती वक्र संमजन सहित प्रक्षेपण विधियाँ—भारत में वशाब्दीय जनगणन।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्णरूप से या दृष्टिच्छक बनाए गए यादृच्छिक खंड और रैटिन चौक अभिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण—क्रमगुणित प्रयोग और 2³ और 3³ प्रयोगों में संक्रम—खंड और उपखंड अभिकल्प—संतुलित और अर्द्ध संतुलित अरूपपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहचारिता का विश्लेषण—सांख्यिकेतर तथ्यों का विश्लेषण—लुप्त और मिश्रित व्यूह के तथ्यों का विश्लेषण।

(iv) अर्थसांख्यिकी (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धांत और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन—मांग की लोच—संरचना और नमूना—एकल समीकरण शैली में प्राचलों का आकलन—परंपरागत अल्पमत वर्ग, साधारणीकृत अत्यंतम वर्ग—विप्रदेयता, क्रमागत सहसंबंध—बहुल समरेखीयता—विचर प्रतिवर्षों में दृष्टियाँ—समकालिक समीकरण प्रतिदर्श—नवात्मकता, बरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परीक्षा अल्पमत वर्ग और दो स्तरीय अल्पमत वर्ग—अल्पकालिक आर्थिक भविष्य कथन।

भाग ख

मौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों को मास्त्राकार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सार्वभौमिक जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्ति का दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों से ही सूक्ष्म के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई छात्रों में रुचि हैं, जिनके प्रति एक मुश्किल व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजनयुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को मानसिक तनकेंता, आर्थोवनात्मक प्रवृत्त शक्ति, सतुलित निर्णय और मानसिक तनकेंता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहचान और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट—II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उसका संक्षिप्त व्योम।

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनमें नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड IV में परीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इन अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पुरस्कृत कर दिया जाएगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा के निर्धारित वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

अग्रिम ग्रेड रु० 2000-125/2-2250

(नान फंक्शनल)

ग्रेड—I निदेशक रु० 1800-100-2000

ग्रेड—II संयुक्त निदेशक रु० 1500-60-1800

ग्रेड—III उप निदेशक रु० 1100-50-1600

ग्रेड—IV सहायक निदेशक रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

6. उक्त सेवा के अग्रिम ग्रेड IV में पदोन्नति समय-समय पर यथा-संशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा नियमों के उपबंधों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा इनको किसी राज्य सरकार या नगर-सरकार संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तों तथा छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप "क" के मदत्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगे।

8. भविष्य निधि की शर्तें जहाँ हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्तों के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट—III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[ये विनियम उम्मीदवारों की भुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या

नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।]

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दस्ता पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कर और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर वह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गचर्चन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एकसरे सेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा—वह अपने जूते उतार देगा और उस मापदण्ड (स्टेचर्ड) से, इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन-सिवाय एडिडों के पांवों की जंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एडिडों, पिछलियां, नितम्ब, और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठीकी, सीधी रखी जाएगी ताकि सिट्र का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैड मेथल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है—उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों, और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। पीठ को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका उररी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इम्पीरियर-ऐंगल्स) से लगा और पीठ को छाती के गिर्द से जाने पर उसी आधे समतल (हॉरिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि पीछा अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89 86-93 आदि। माप को रिकार्ड करने समय आधे सेंटीमीटर से कम से कम के भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किसी-किसी में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड आईजिन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिन इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) बरमे के साथ और बरमे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
(बीक की हुई दृष्टि)		(ठीक की हुई दृष्टि)	
6/9	6/9		
	या		
6/9	6/12	जे० I	जे० II

दृष्टि सम्बन्धी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक बला हो जोकि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कनफ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र की पेरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौंधी (नाइट ब्लाइण्डनेस)—साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन "ए" की कमी के कारण और (2) टीना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटिनोटिस पिगमेंटोसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन "ए" के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग से आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अन्धेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए, विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रोरेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अन्धेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सक जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी ब्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आम्ब्लोर क्लीशन) :

- आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन वृद्धि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।
- भेगापन (स्क्विट)। तकनीकी सेवाओं में, जहां द्विनेत्री (बाइनोकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेगापन की अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।
- एक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि ही सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो, तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोध हेतु विविध दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों

के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार वे व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुमानित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख :

- की दूर की दृष्टि 6/6 और निवट की दृष्टि जे० 1 अथवा लगाकर अथवा उसके बिना हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में वृद्धि 4 डायोप्टरिज से अधिक न हो।
- की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो।
- की सामान्य रंग दृष्टि जहाँ अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टैक्ट लेस :—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टैक्ट लेस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाईप किए हुए अक्षरों का उद्भागन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश में हो।

7. ब्लड प्रेशर :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामेल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आवकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती है :—

- 15 से 25 वर्ष के युवा आयु से अधिक व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा होता है।
- 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आवकलन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका विमकुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर को और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार अस्पताल में रहें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर से बढ़ि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सर और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त मूत्रिया निदान (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी रूप में की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

8. ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दाबांतरमापी (मर्करी मेनोमीटर) किसम का उपकरण (इन्ट्रोमेट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसम के ध्याग्राम या धबराहट के दाब फेज्ड मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम में हो। कुछ हार्जेंटल स्थिति में रोगी के पाण्डे पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए, भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप में लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (ब्रेकिअप आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूंढा जाता है और तब इसके ऊपर बीच-बीच स्टोमोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एम० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाव में से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की शक्ति ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का काम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियों में तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर

पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी सुप्त प्रायः हो जायें, वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए खोब कर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ से से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ से से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं) इस साप्लेट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नॉन डायबिटिक) हो और बोर्ड केस का मेडिसिन के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट मनेल जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जान के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर से अरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों में अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कान को कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य-क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बड़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :—

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरापन यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहुरापन, दूसरा कान सामान्य हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
2. दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।
3. सेम्टल अथवा मार्जिनल टाइप के डिम्पेनिक मेम्बरेन में छिद्र (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में डिम्पेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य।

कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर मीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
(iii) दोनों कानों में सेम्टल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से तब सब नार्मल श्रवण

(i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड कैविटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।

(ii) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।

5. बहने रहने वाला कान-आपरेशन किया या/बिना आपरेशन वाला

तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।

6. नासापट की हड्डी संबंधी/विस्माताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा

(i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

7. टांसिल और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।

(i) टांसिल और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य।

(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

8. कान नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर कुदृढ़ ट्यूमर।

(i) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ii) दूर ट्यूमर अयोग्य।

9. आस्टोमिसरोसिस

श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।

10. कान, नाक, अथवा गले के जन्म-जात बोध।

(i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य।

(ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।

11. नेत्रज दोष।

अस्थायी रूप से अयोग्य।

- (ख) उम्मीदवार खोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
 (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह बचाने के लिए जकरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह धरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
 (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं उसका विल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
 (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं।
 (च) उसे रक्खर है या नहीं।
 (छ) उसे हाईड्रोसील, बड़े हुई वेरिकोसिल, वेरिकाजिशिरा (बन) या बवासीर है या नहीं।
 (ज) उसके बगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
 (झ) उसे कोई चिरस्थायी रक्खा की बीमारी है या नहीं।
 (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
 (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।
 (ठ) कारण टीके के निशान हैं या नहीं।
 (ड) उसे कोई संचारी (कम्प्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं संदेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक क्षुब्ध अथवा विषयन (एक्जरेजन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल से किसी मनोविकास विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार ₹० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जायेंगे शेष दूसरों के बारे में यह जस्ट कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहें तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में भी की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मैजिस्ट्रेट (कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :-

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले कैंडिडेटों में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल यदि हो, के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भरती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग ऑथरिटी) को यह तमिली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उसना ही संबद्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा के एक मुख्य उद्देश्य निरंतर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरंतर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरंतर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यता: तीन सदस्य होंगे (1) एक कार्य चिकित्सक (2) एक शाल्य चिकित्सक और (3) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डॉक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बहार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड की इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डॉक्टरों को रिपोर्टों को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताया जा सकते हैं। किन्तु डॉक्टरों को जो खराबी बताई हो उसका बिस्तृत ब्योरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डॉक्टरों को यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डॉक्टरों को इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डॉक्टरों को सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से लिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कपन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—
(साफ अक्षरों से)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें—
3. (क) क्या अनुसूचित जाति या गोरखा, गढ़वासी, असमिया, वामाक्षेत्र जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित

हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है, 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

- (ख) क्या आपको कभी चेचक, रक-रक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, बिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूछों के पीरे, रमटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

- (ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शम्मा पर सेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अघोरता (नर्वसनेस) हुई ?

6. अपने परिवार के संबंध से निम्नलिखित व्योरे दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न के उत्तर 'हां' में हो तो बताइये किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—

में घोषित करता हूँ कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किये—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट:—उपयुक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति को बैठने की ओष्ठिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वाश्वेक निवृत्ति भत्ता (सुपरएम्प्लेशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेज्यूटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें।

1. सामान्य विकास—अच्छा—बीच का—कम—कम पोषण पतला—औसत—मोटा—कद जूते उतारकर—बजस—अत्यन्त बजस—कब था ?—बजस में कोई हाथ ही में हुआ परिवर्तन—

तापमान—

छाती की बेर—

(1) पूरा सांस बीचने पर—

(2) पूरा सांस निकालने पर—

2. त्वचा—कोई जाहिरी बीमारी

3. नेत्र—

(1) कोई बीमारी—

(2) रतौंधी—

(3) कलर विजन का दोष—

(4) दृष्टि नेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)—

(6) फंक्स की जांच—

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की क्षमता
			गोल बलुन एम्सिस

दूर की गजर	वा० ने०
पास की गजर	वा० ने०
हाइपर मेट्रोपिया (व्यक्त)	वा० ने०

4. कान: निरीक्षण—सुनना—

बायाँ कान—बायाँ

कान—

5. ग्रंथियां—माइराइड—

6. दांतों की हालत—

7. श्वसन तंत्र (रेस्परेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्योरा दें;

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलेटरी सिस्टम)

(क) हृदय: कोई आंगिक गति (आर्गेनिक बीजत)—

गति (रेट):—

छड़े होने पर

25 बार कुवाए जाने के बाद—

कुवाए जाने के 2 मिनट बाद—

(ख) ब्लड प्रेशर—सिस्टोलिक—

—डायस्टोलिक।

9. उबर (पेट)

सहता हनिया :—

(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर—

तिस्ली—गुर्वे—

ट्यूमर—

(ख) रक्तार्स

सर्गवर

10. तांत्रिक तंत्र (नब सिस्टम) तांत्रिका या मानसिक अव्यक्तता का संकेत—

11. चालतंत्र (लोकोमीटर सिस्टम) की असमानता—

12 जनन मूल तंत्र (जैमिरी यूरिनरी मिस्टम)-----हाइड्रोसील
नरिकोसिल आदि का कोई संकेत।

मूल परीक्षा :—

- (क) कैमा विचारों पढ़ता है ?
- (ख) अपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक ग्रेडिटी)।
- (ग) एलबुमन
- (घ) शक्कर
- (ङ) कास्ट
- (च) कोशिकाएं (सेल)

13. छाती की एक-रे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य से कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की इप्टी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट:—महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया।

(ii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट:—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन बर्गों में से किसी एक बर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :

- (i) योग्य (फिट)
- (ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण-----
- (iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण-----

स्थान-----	अध्यक्ष-----
तारीख-----	सदस्य-----
	सदस्य-----

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1982

संकल्प

सं० 07011/1/80-नमक—इस मंत्रालय के संकल्प सं० 07011/1/80-नमक, दिनांक 14 अक्टूबर, 1981 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा गुजरात के नमक संबंधी क्षेत्रीय परामर्श-दायी बोर्ड का पुनर्गठन करने के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) बम्बई नहीं, बल्कि क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) अजमेर बोर्ड संबंधी श्रमिक हितों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय तथा प्रधानमंत्री सचिवालय को भेज दिया जाए।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र के भाग I खण्ड 1 में प्रकाशित किया जाये।

सरकारी लाय, अवर सचिव

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1982

सं० एफ० 18-1/82-यू०-5—भारतीय सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संस्था आपन पत्र और नियामावली के नियम 3, 6 और 8 के अन्तर्गत श्री मीर नसरुल्लाह, सचिव, समाज कल्याण मंत्रालय को श्रीमती सरला ग्रेवाल के स्थान पर श्रीमती सरला ग्रेवाल की शेष कार्य अवधि अर्थात् 19-12-1983 तक के लिए परिषद् का सदस्य मनोनीत किया जाता है।

एस० के० सेन गुप्ता, अवर सचिव

समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

संकल्प

सं० 1-41/80-सी०एस०डब्ल्यू०बी०—इस मंत्रालय के दिनांक 28 अगस्त, 1981 के संकल्प संख्या 1-41/80-सी० एस० डब्ल्यू० बी० के आंशिक आशोधन में भारत सरकार शिक्षा एवं संस्कृति तथा समाज कल्याण मंत्रालयों के लिए वित्त सलाहकार श्री मन मोहन सिंह को श्री पी० जी० मुरली धरन के स्थान पर वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के साधारण निकाय का सदस्य नामित करती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति-लिपि निम्नलिखित को भेजी जाए :—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सभी सदस्य।
2. सब राज्य सरकारें/संघ शासित प्रदेश प्रशासन।
3. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. प्रधानमंत्री कार्यालय।
6. योजना आयोग।
7. लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय।
8. मंत्रिमंडल सचिवालय।
9. पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली।
10. लेखा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली।
11. कम्पनी कार्य विभाग, नई दिल्ली।
12. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, नई दिल्ली।
13. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड, कानपुर।
14. कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली।
15. राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के सब अध्यक्ष।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को साधारण जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

वीना कोहली, निदेशक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

LEGISLATIVE DEPARTMENT

New Delhi, the 20th December 1982

No. F. 4(1)/81-OL.—In continuation of the Legislative Department's Resolution No. F.4(1)/81-OL dated the 7th December 1982, the Government of India have decided to nominate Shri Shanti Lal Somaiya Organo-Chemicals Ltd. Bombay, a non-official, to serve as member of the Hindi Salahkar Samiti for the Ministry of Law, Justice and Company Affairs reconstituted on 24th April, 1982.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to:—

Prime Minister's Office/Cabinet Secretariat/Department of Parliamentary Affairs/Lok Sabha Secretariat/Rajya Sabha Secretariat/Planning Commission/President's Secretariat/Accountant General, Central Revenues, New Delhi and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. R. SUBRAMANYAN,
Joint Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi-11, the 15th January 1983

RULES FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1983

No. 9/4/82-CS-II.—The Rules for Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, in 1983 for the purpose of filling temporary vacancies in the following service/posts (and for such other service/posts as may be included by the Commission in their Advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information:

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade VI.
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service-Grade II.
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade.
- (iv) Armed Force Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade.
- (v) Posts of Lower Division Clerks in the Election Commission of India.
- (vi) Posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi.
- (vii) Posts of Lower Division Clerks in the Office of the Inspector General of Indo-Tibetan Border Police, Delhi.
- (viii) Posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission.

Performance in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidates at the time of submitting their applications. A candidate may, however, change the order of preferences once before the date of the written examination.

2. The number of vacancies to be filled on the basis of the results of the examination will be specified in the advertisement issued by the Commission in the newspapers. Reservation will be made for candidates who are—ex-servicemen, for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and for physically handicapped persons in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. (i) Ex-servicemen means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as a non-combatant), in the Armed Forces of the Union, included the Armed Forces of the former Indian States, but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineering

Force, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation, and

- (a) has been released, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (b) has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid or
- (c) has been released at his own request, after completing five years service in the Armed Forces of the Union.

(ii) Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) order 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) order 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) order 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) order 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes order, 1956 the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962 the Constitution Dadra and Nagar Haveli, Scheduled Tribes Order 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970 the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order, (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order 1978.

(iii) physically Handicapped person means a person belonging to any of the following categories:—

- (a) *The Deaf*: The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear and understand sound at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing ear more than 90 decibels in the better ear (profound impairment) of total loss of hearing in both ears.
- (b) *The Orthopaedically handicapped*: The Orthopaedically handicapped are those who have a physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in appendix I to the Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either:

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

(1) Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

(2) Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department, which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August, 1983 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1958 and not later than 1st August, 1965.

(b) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-servicemen who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

RULE : The period of "call up service" of an ex-servicemen in the Armed Forces shall also be treated as service concerned in the Armed Forces for purpose of Rule 5(b) above :

(c) The upper age limit in all these cases will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of India on origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or before 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) upto a maximum of three years if a candidate is bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of India origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, or in peace time & released as a consequence thereof;
- (x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area or in peace time and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;

(xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(xiv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, (For candidates belonging to SC or ST who are physically handicapped, the maximum relaxation of ten years permissible for physically handicapped persons shall be in addition to the age relaxation provided in terms of Column (i).

(xv) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes/Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judicially separated from their husbands, who are not re-married.

(d) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks/Assistant Compilers/Storekeepers in the various Department/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Clerks as on 1-8-83 and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries/Departments and attached offices participating in (i) Central Secretariat Clerical Service; (ii) Indian Foreign Service (B) (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service and to persons who are ex-servicemen competing at the examination for vacancies reserved for ex-servicemen.

(e) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, and have rendered not less than 3 years continuous service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1-8-1983 and who continue to be so employed.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for only vacancies in the Central Secretariat Clerical Service.

(f) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of service clerks in the last years of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period from 2nd August 1983 to 1st August 1984. Such candidates are not entitled to any concession in fee.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisation, which are not reserved for ex-servicemen.

(g) There will be no upper age limit for Telephone Operators who are employed in the Ministry of External Affairs as on 1-8-1983 and who continue to be so employed.

(h) Upper age limit is also relaxable for the retrenched employees of the Directorate of Census Operations in the States/U.Ts. in accordance with DPAR's O.M. No. 14024/6/81-Estt. (D) dated 5-7-1982.

NOTE 1.—Service rendered by R. M. S. Sorters employed in Subordinate offices of P&T Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rule 5(d) above.

NOTE 2.—The expenditure of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule

5(d), Rule 5(c) and Rule 5(g) above, is liable to be cancelled if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by this Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

NOTE 3.—A Clerk who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

NOTE 4.—Any permanent or temporary Telephone Operator working in the Office/Department participating in the Ministry of External Affairs shall be eligible to appear at the examination provided that no Telephone Operator shall be allowed to avail of more than two chances to qualify in the examination.

Telephone Operators, who are on deputation to other ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to a person who has been appointed to another ex-cadre post or to another service on transfer, if he/she continues to have lien on the post of Telephone Operator for the time being.

NOTE 5.—The examination will be qualifying and not competitive so far as persons falling under category (g) above of this rule are concerned. They will not be required to appear at the typewriting test forming part of this examination. They shall have to pass a periodical typewriting test held by this Commission, if not already passed within a period of one year from the date of their appointment as a Lower Division Clerk, failing which no annual increment will be allowed to them until they have passed the said test.

Telephone Operator recommended by the Commission shall be inducted only in I.F.S.(B) Grade VI.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School, or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to Matriculation Certificate for entry into services.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also a candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

7. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

(ii) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

8. A candidate already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a "No Objection Certificate" from his office before being allowed to take the Typewriting Test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE : In the case of the disabled ex-Defence services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds certificate of admission from the Commission.

12. Candidates except ex-servicemen released from the Armed forces and those who are granted remission of fee vide Commission's advertisement must pay the fee prescribed therein.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) Impersonating.
- (iii) Procuring impersonation by any person, or
- (iv) Submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing materials information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature, for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
 - (i) by the Commission from any examination or Selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) to disciplinary action under appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. After the examination, the candidates competing for the services/posts mentioned in para 1 who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregating marks final awarded to each candidate at the written examination; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the basis of results of the examination.

Provided that the candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of General standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the

fitness of these candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the basis of results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various services/posts at the time of his application.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at its discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding result.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the service/post.

H. G. MANDAL, Under Secy.

APPENDIX I

The examination will consist of two parts, viz., part I—written examination, and part II—Typewriting Test.

PART I: Written Examination:—The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows:—

Paper No. Subject	Maximum Marks	Time Allowed
I English Language	150	1½ hour.
II General Knowledge	150	1½ hour.

PART II: Typewriting Test:—The Typewriting Test will consist of one paper on Running matter of 10 minutes duration.

2. The question paper on "English Language" and "General Knowledge" will be of the "Objective Type".

3. Only those candidates who attain, at the written examination, a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible to take the typewriting test, i.e., Part II of the scheme of Examination.

4. Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of Rule 15 of the Rules for the Examination. (This does not apply in the case of Telephone Operators employed in the Ministry of External Affairs).

NOTE 1: Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this examination. Such candidate must indicate their Roll Numbers and the date of the Typewriting Test which they have passed.

NOTE 2: A candidate who claims to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability, may with the prior approval of the Chairman, Staff Selection Commission, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such Test, provided such a candidate, when required to appear at the Typewriting Test, furnishes a certificate (in the prescribed form) to the Commission from the competent medical authority i.e. the Civil Surgeon declaring him/her to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability.

5. Candidates will be required to bring their own Typewriter for the Typewriting Test. A typewriter with the standard size roller will do for the test.

6. Candidates are allowed the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagiri Script) or in English.

7. Candidates desirous of exercising the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagiri Script) should indicate their intention to do so in their application otherwise it would be presumed that he would take the Typewriting Test in English. The option once exercised will be final and no request for change of option will be entertained. No credit will be given for Typewriting Test taken in a language other than the one opted for by the candidates.

8. The syllabus for the Written Examination will be shown in the schedule to this Appendix.

9. Candidates must write the Papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

10. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

SCHEDULE

SYLLABUS FOR THE SUBJECTS INCLUDING IN PART I—WRITTEN EXAMINATION

1. ENGLISH LANGUAGE AND GENERAL KNOWLEDGE:

(a) English Language Questions will be designed to test candidates' knowledge of English Grammar, vocabulary, spellings, synonyms and antonyms, his power to understand and comprehend the English Language, and his ability to discriminate between correct and incorrect usage, etc.

(b) General Knowledge: Candidates are expected to have some knowledge of the Constitution of India, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, current events, every-day science and such matter of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

APPENDIX II

Brief particulars relating to Services/Posts to which recruitment is being made through this Examination.

A. CENTRAL SECRETARIAT CLERICAL SERVICE:

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows:—

(i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

(ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the

crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade 'D' Stenographers' Examination after rendering not less than two years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 50 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

B. RAILWAY BOARD SECRETARIAT CLERICAL SERVICE :

The Service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways, so far as recruitment, training, promotion etc. are concerned are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970 which are on the lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades :—

- (i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
- (ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the Rules in force from time to time in this behalf, permanent or regularly appointed Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade of Railway Board Secretariat Clerical Service on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to appear in the Limited Departmental Competitive Examination for Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers Service held by the Ministry of Railway, after rendering not less than 2 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The Upper Age Limit for this examination is 45 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under those rules :—

- (i) will be eligible for pensionary benefits and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railway Staff.

9. As regards leave and other conditions of service, Staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

C. INDIAN FOREIGN SERVICE (B) GRADE VI

The scale of pay : Rs. 260-6-290-EB-6-326-EB-8-390-10-400.

Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B) are eligible for promotion to Grade V in the pay scale of Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 on completion of eight years of service in the grade.

2. Officers of Grade V of the Indian Foreign Service (B) will in turn be eligible for appointment to Grade IV of the Service in the pay scale of Rs. 425-15-500-EB-15-360-20-700-EB-25-800 on completion of five years of service in the grade.

3. Officers of Grade VI of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for promotion to Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of the Service in the pay scale of Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 on completion of required number of years of service in the grade, on the basis of a Limited Departmental Examination.

4. Such officers of Grade VI, who are graduates, will be eligible for appointment to the grade of Assistant in the Sub-Cadre of IFS(B) in the pay scale of Rs. 425-15-500-EB-15-360-20-700-EB-25-800 on completion of required number of years of service in the grade through a Limited Departmental Examination.

5. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

6. During service abroad, IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- (iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India as may be defined by the Government;
- (iv) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions;
- (v) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the age of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the Officer is met by the Government subject to certain conditions.

(vi) Outfit allowance—Rs. 1,750/- per posting abroad.

(vii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

7. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the service will be governed by the relevant provisions of the Indian Foreign Service (B) (Recruitment Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, and also by any other rules or orders, which Government may hereafter make.

D. ARMED FORCES HEADQUARTERS CLERICAL SERVICE

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grades as follows :—

Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560

Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from amongst Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in the Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service, will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations located in India/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, medical aid and other conditions of service will be same as applicable to other Ministerial staff employed to the AFHQ and Inter-Service Organisations.

E. DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Department is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-EB-390-10-400.

Candidates appointed to the service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

F. INDO-TIBETAN BORDER POLICE

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Indo-Tibetan Border Police is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

Candidates appointed to these posts on the basis of results of this examination will be on probation for a period of two years.

G. CENTRAL VIGILANCE COMMISSION AND ELECTION COMMISSION :

1. The scale of pay for the Lower Division Clerks in the Commission is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

2. The posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission and the Election Commission are not included in the C.S.C.S.

3. The persons appointed will be on probation for a period of two years.

4. They will be eligible for promotion to the grade of upper Division Clerk after putting in five years service in case of Central Vigilance Commission and eight years service in the case of Election Commission.

RULES

No. 11013/I/82-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1983 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A Candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st January, 1983 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1955 and not later than 1st January, 1962.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;

- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) (or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaïre and Ethiopia).
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaïre and Ethiopia.
- (xiv) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January 1983 and have been released on completion of assignment (including those

whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1983) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.

- (xv) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military service as on 1st January 1983 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1983 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th September, 1983.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justified his admission.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates' applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing, irrelevant matter, including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) Violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by the applying relaxed standards if the commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment of the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or

the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *vis-a-vis* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

P. G. LELE,
Deputy Secretary

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva Voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

Sl. No.	Subject	Code No.	Maximum Marks	Time Allowed
1	2	3	4	5
A. Indian Economic Service				
1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	General Economics I		200	
	Part I	03	Part-I-1 hr. } Part-II-2 hrs }	3 hrs.
	Part II	04		
4.	General Economics II		200	
	Part I	05	Part-I-1 hr. } Part-II-2 hrs }	3 hrs.
	Part II	06		
5.	Indian Economics		200	
	Part I	07	Part-I-1 hr. } Part-II-2 hrs }	3 hrs.
	Part II	08		

N.B.—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the

examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

B. Indian Statistical Service

1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	Statistics I	09	200	3 hrs.
4.	Statistics II	10	200	3 hrs.
5.	Statistics III	11	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see "Candidates Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They shall not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

11. Candidates should use only International Form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

THE SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University

in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

GENERAL ENGLISH (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workman-like use of words.

GENERAL STUDIES (CODE NO. 02)

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMIC—I (Code No. 03 for Part—I and 04 for Part-II)

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS—II (Code No. 05 for

Part—I and 06 for Part—II)

Concept of economics growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Prospective planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments, disequilibrium in balance of payments, Mechanism of adjustments. Foreign trade, multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms. GATT; International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS (Code No. 07 for Part I and 08 for Part II)

Basic features of the Indian economy : Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade. Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit, role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation : its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises: Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour: Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and income policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal Policy; Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

STATISTICS—I (Code No. 09)

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET.

Probability (40 per cent weight)

Elements of measure theory. Classical definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial. Laplace, negative binomial beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants, Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 per cent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of \bar{x} , S^2 , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median, run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 per cent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling, Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant coefficients.

STATISTICS—II (Code No. 10)

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET.

Linear Models (25 per cent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression coefficients.

Estimation (25 per cent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds

Hypotheses testing (25 per cent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Hypothesis testing (25 per cent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic. Mahalanobis's D^2 statistic. Partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS—III (Code No. 11)

NOTE :—ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS, NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS WILL BE SET.

PART A (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 per cent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiple, systematic sampling. Systematic sampling. Interpenetrating samples. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 per cent weight)

Components of time series. Methods of their determination—variate difference method, Yule-Sturges effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers

of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART B

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 per cent weight)

Different kinds of control charts of variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Roming and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/1, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 per cent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 per cent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^k experiments. Split-plot and strip-plot design. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 per cent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination :

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows :

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250.
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000.

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—
40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Service Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distant vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
6/9	or 6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of Vision*.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness, (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A. in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is emmetropic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board

may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and JI near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is above 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination, of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic Pressure.

When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Some times as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level : they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.

(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequency of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit.

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

(4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides,—Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.

Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities nasal septum.

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.

(8) Benign or locally malignant tumours of the ENT

(i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit.

(9) Otosclerosis

If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.

(10) Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(11) Nasal Poly

Temporarily Unfit.

- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Dep'tt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the

appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad-terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place
- (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had smallpox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting

of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of death
--	--	--	---

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at, and cause of death
--	--	---	--

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Service/Services, you were examined for

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Result of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known.

I declared that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical Examination

1. General development : Good fair.....

Poor.....

Nutrition : ThinAverage.....Obese

Height (without shoes)weight

Best WeightWhen?.....any recent change in weight ?.....Temperature

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus examination

Acuity of vision Naked eye with glasses Strength of glasses

Sph. Cyl. Axis

Distant vision R.E.

L.E.

Near vision

R.E.

L.E.

4. Ears : InspectionHearing : Right Ear
Left Ear

5. GlandsThyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?.....
if yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesion ?.....Rate

Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : SystolicDiastolic

9. Abdomen : GirthTenderness
Hernia

(a) Palpable : LiverSpleen

KidneysTumours.....

(b) HaemorrhoidsFistula.....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco Motor System: Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service :

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE.

NOTE—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of.

Chairman

Place :

Member

Date :

Member

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 29th November 1982

RESOLUTION

No. 07011|1|80-Salt.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 07011|1|80-Salt dt. 14-10-81 re-constituting *inter-alia*, the Gujarat Regional Advisory Board for Salt, the Government of India have decided that Regional Labour Commissioner (Central) Ajmer and not the Regional Labour Commissioner (Central) Bombay will represent Labour interests on the Board.

ORDER

Ordered that this Resolution be communicated to all State Governments, All Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat and Prime Minister's Secretariat.

2. Order also that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I. Section. I.

SARDARI LAL, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE
(DEPARTMENT OF EDUCATION))

New Delhi, the 20th December 1982

No. F. 18-1|U.5—Under Rule 3, 6 and 8 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, Shri Mir Nasrullah, Secretary, Ministry of Social Welfare is nominated as a Member of the Council *vice* Smt. Serla Grewal for the residue of Smt. Serla Grewal's term i.e. upto 19-12-83.

S. K. SEN GUPTA, Under Secy.

MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 22nd December 1982

F. No. 1-41|80-CMSB.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 1-41|80-CSWB dated 28 August 1981, the Government of India is pleased to nominate Shri Man Mohan Singh, Financial Advisor for the Ministries of Education & Culture and Social Welfare as representative of the Ministry of Finance on the General Body of the Central Social Welfare Board, *vice* Shri P. G. Muralidharan, with immediate effect.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All Members of the Central Social Welfare Board.
2. All the State Governments/Union Territories.
3. All the Ministries/Departments of the Govt. of India.
4. President's Secretariat.
5. Prime Minister's Office.
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariats.
8. Cabinet Secretariat.
9. Press Information Bureau, New Delhi.
10. Department of Company Affairs, New Delhi.
11. The Director of Audit, Central Revenues, New Delhi.
12. Registrar of Companies, New Delhi.
13. Regional Director, Company, Law Board, Kanpur.
14. Executive Director, Central Social Welfare Board, New Delhi.

15. All Chairman, State Social Welfare Advisory Boards.
ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

VEENA KOHLI, Director.